

हो तो उनमें से कोरबा का जो कोल बेल्ट प्लॉट है, उसके कब तक चालू हो जाने की सम्भावना है ?

अध्यक्ष महोदय : यह विशालापननम के बारे में है।

SHRI P. VENKATASUBBAIAH : While giving licences, may I know whether Government have taken care to see that there will not be unhealthy competition between the private and public sectors, so that Coromandel Fertilisers in the private sector may not produce such type of fertilisers as is produced by the public sector and compete with them ?

MR. SPEAKER : This is not a permissible form of supplementary question. The hon. Member himself gives the reasons and then asks for the hon. Minister's opinion. Let him better see the rules before asking the supplementary question.

SHRI P. VENKATASUBBAIAH : I want to know whether they have been given permission for expansion or not.

MR. SPEAKER : The hon. Minister may reply only to the question part of it.

SHRI P. C. SETHI : Since there is shortage of fertilisers, there is no question of unhealthy competition between the private and public sector.

SHRIMATI LAKSHMIKANTHAMMA : The hon. Minister mentioned about the Ramagundam fertiliser plant. The original proposal was to set up a fertiliser plant at Kothagudem, and it went on for twenty years, but later it has been shifted to Ramagundam. I would like to know whether there is any proposal to set up another fertiliser plant, coal-based, at Kothagudem.

MR. SPEAKER : She can ask this question otherwise also. Why should she bring this question from the other question ?

SHRIMATI LAKSHMIKANTHAMMA : He mentioned about Ramagundam. That was why I mentioned that this particular plant had been shifted there from Kothagudem,

whereas the original proposal was to set it up at Kothagudem where there is plenty of coal.

SHRI N. K. P. SLAVE : She is taking the hon. Minister's knowledge of geography.

SHRI SANJEEVI RAO : Since fertiliser is in great demand in the coastal districts of Andhra Pradesh and since the American firm has backed out, are Government contemplating to issue another licence to a similar firm ?

SHRI P. C. SETHI : Phase I expansion of this company, for producing urea and phosphatic complex has been accepted, and the phase II expansion of this company is also under consideration.

Visit of Delegation from Turkey

*627. **SHRI K. C. PANDEY :** Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether a three-member delegation from Turkey visited India on 8-day visit during April, 1971 ; and

(b) if so, the purpose of the visit and the main points of the talks held between the delegation and the officials of Government of India and the outcome thereof ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI SURENDRA PAL SINGH) : (a) A three-member Turkish Delegation arrived in Delhi on April 18 for a week-long visit to India. It had, however, to curtail the period of its stay in India due to political development in their country necessitating their early return to Turkey.

(b) The purpose of the visit was to enable the delegates to acquaint themselves with developments in India by informal meetings and discussions with various people. The programme of the visit included, *inter alia*, calls on the Vice-President, the Foreign Minister, the Minister of State for Information and Broadcasting, the Secretaries in the Ministries of External Affairs, Foreign Trade and Industrial Development. Although the Delegation had to cut short its visit it managed to pay courtesy calls on some senior officials. Bilateral relations

and some matters of common interest were discussed.

श्री कृष्ण चन्द्र पांडे : क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि इस तरह के जो डेलीगेशन अपने देश में आते हैं, उनसे अपने देश को क्या सामाजिक लाभ होता है ?

श्री सुरेन्द्रपाल सिंह : यह तो मामूली बात है कि जब विदेशों से यहां डेलीगेशन आते हैं, या हमारे डेलीगेशन दूसरे देशों में जाते हैं, तो उससे हमेशा दोनों मुल्कों में दोस्ती और सम्बन्ध बढ़ते हैं। इसीलिए विदेशों से डेलीगेशन को यहां बुलाया जाता है।

श्री कृष्ण चन्द्र पांडे : अपने यहां से इस तरह के जो डेलीगेशन विदेशों में जाते हैं, क्या वे अपने देश की सामाजिक और आर्थिक स्थिति और अपने सिद्धान्तों को बहा की सरकारों और लोगों को बताते हैं; अगर हा, तो क्या विदेशों के लोग उससे कहां तक प्रभावित होते हैं ?

अध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्य ने टर्की के डेलीगेशन के बारे में पूछा है। जब आप विदेश जायेंगे, तो वहां पर आप का काफी मेल-मिलाप होगा।

श्री कृष्ण चन्द्र पांडे : मैं यह जानना चाहता हूँ कि इस डेलीगेशन के आने से क्या प्रभाव पड़ा है।

अध्यक्ष महोदय : सवाल में ओपीनियन पूछना परमिसिबल नहीं है। वह डेलीगेशन आया और चला गया। मिनिस्टर साहब हर बक्त उनके साथ थोड़े ही रहे?—श्री बाजपेयी।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अभी मंत्री महोदय ने कहा है कि तुर्की के प्रतिनिधि-मंडल के वापिस जाने का कारण यह था कि उनके देश में कुछ घटनायें लटी थीं। क्या उनका ध्यान तुर्की और पाकिस्तान के समाचार पत्री

में प्रकाशित इस समाचार की ओर गया है कि बंगला देश के सम्बन्ध में भारत सरकार ने जो नीति अपनाई है, तुर्की का प्रतिनिधि मंडल उसके विरोध में अपना रोष प्रकट करने के लिए यहां से जल्दी चला गया ?

श्री सुरेन्द्र पाल सिंह : यह पाकिस्तान का ख्याल होना, या पाकिस्तान ने अपने अखबारों में कुछ ऐसा निकाला होगा। लेकिन जहां तक टर्की के डेलीगेशन का सवाल है, उन्होंने किसी स्टेज पर हमसे यह नहीं कहा कि उनके वापिस जाने की वजह बंगला देश की बातें हैं। उनके मुल्क में कुछ घटनायें घटीं, इसलिए वे वापिस चले गये।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : क्या किसी स्टेज पर उन्होंने यह कहा कि हम इसलिए वापिस जा रहे हैं कि हमारे देश की घटनाओं ने हमें वापिस बुलाया है ?

श्री सुरेन्द्र पाल सिंह : उन्होंने हमसे यही कहा था कि उनके मुल्क में कुछ ऐसी घटनायें घटी हैं, इसलिए उनका वापिस जाना आवश्यक है और इसलिए वे जा रहे हैं।

श्री नवल किशोर शर्मा : जो डेलीगेशन टर्की से यहां आया था, क्या उससे भारत सरकार ने बंगला देश के बारे में कोई खर्चा की; यदि हां, तो इस बारे में उसका रीएक्शन क्या था ?

श्री सुरेन्द्र पाल सिंह : यह डेलीगेशन अनआफिशल था। उसकी सरकार से किसी किस्म की बातें नहीं हुईं। वे यहां आने के बाद कुछ अफसरों से मिले, जिसके दौरान दोनों मुल्कों के आपसी सम्बन्धों की बातें ऊपर हुई होंगी। मेरे लिए यह कहना मुश्किल है कि यह विषय उनके सामने रखा गया या नहीं।

वेद्रीय में बिन्दु की सेल की निगरानी

*630. **श्री कृष्ण चन्द्र कल्याण :** क्या वेद्रीयियम और रसायन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :